कृषि विज्ञान केन्द्र

गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

अगस्त 2024, अंक 4

कपास की फसल में रोग प्रबंधन विषय पर व्याख्यान

कृषि उपज मंडी स्थित आत्मा सभागार, चूरू में दिनांक 11.7.2024 को कपास की फसल उत्पादन प्रबंधन विषय पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त निदेशक, कृषि विस्तार, बीकानेर डॉ. एस.एस.शेखावत ने की । कार्यशाला में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी, रोग प्रबंधन के साथ–साथ सस्य क्रियाओं पर चर्चा की गई । केन्द्र के विषय विशेषज्ञ (पौध सरंक्षण) श्री मुकेश शर्मा ने जिले के प्रगतिशील कृषकों एवं प्रसार कार्यकर्ताओं को कपास की प्रमुख बीमारियों एवं उनके प्रबंधन के बारे में पावर पोईंट प्रंजेटेंसन द्वारा विस्तार पूर्वक जानकारी दी । इस कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार, चूरू डॉ. जगदेव सिंह, सहायक निदेशक कृषि विस्तार श्री कुलदीप शर्मा, परियोजना निदेशक आत्मा श्री दीपक कपिला, सहायक निदेशक कृषि विस्तार, सुजानगढ श्री गोविन्दसिंह ने जिले वार कपास की फसल में रोग प्रबंधन हेतु किये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी सभी प्रगतिशल किसानों एवं उपस्थित प्रतिभागियों को दी ।

तिल उत्पादन की उन्नत तकनीकी विषय पर प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM) द्वारा प्रायोजित कलस्टर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन के अन्तर्गत तिलहन उत्पादन को बढाने हेतु तिल उत्पादन के विषय पर 4 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन 15 से 18 जुलाई 2024 को किया गया, जिसमें 37 प्रगतिशील कृषकों ने भाग लिया । प्रशिक्षण अन्तर्गत चूरू जिले की परिस्थितियों के अनुरूप कम समय में पकने वाली विभिन्न किस्मों की जानकारी, बुवाई से पूर्व भूमि एवं बीज उपचार, खाद एवं उर्वरक प्रबंधन, मुख्य पोषक तत्वों के साथ–साथ गंधक के प्रयोग, खरपतवार प्रबंधन एवं कीट बीमारियों के प्रबंधन आदि विषय पर जानकारी दी गई ।

ग्वार फसल में तना गलन प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा ग्वार फसल में तना गलन विषय पर दिनांक 15 से 18 जुलाई 2024 को संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 25 कृषक व कृषक महिलाओं ने भाग लिया । प्रशिक्षण में केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ (पौध सरंक्षण) श्री मुकेश शर्मा ने ग्वार फसल में तना गलन की

पहचान, रोग कारक के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया की इस रोग के प्रबंधन हेतु ट्राइकोडर्मा 2.5 किलो 25 से 30 किलो सडी गोबर की खाद या वर्मी कम्पोस्ट में मिलाकर उचित नमी बनाकर 4 से 5 दिन छाया के स्थान पर रख देवें तथा एक बीघा क्षेत्र की मिट्टी में मिला कर भूमि उपचार करें । इसके अतिरिक्त ग्वार में झुलसा रोग एवं रस चूसने वाले कीडो के प्रबंधन के बारे में भी प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी गई।

मृदा परीक्षण कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 18.7.2024 को पी.एम.श्री केन्द्रीय विद्यालय, चूरू पर मृदा में पोषक तत्वों के महत्व एवं उपयोग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के कक्षा 9 व 11 के छात्र छात्राओं ने भाग लिया । विद्यालय की रसायन शास्त्र लैब में कृषि विभाग, चूरू व कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा मृदा परीक्षण हेतु नमूना लेने की विधि का प्रायोगिक कार्य करवाया गया तथा ''मृदा परीक्षण के परिणामों का फसलों हेतु उपयोग'' विषय पर विस्तृत चर्चा छात्र–छात्राओं के साथ की गई ।

निकरा क्षैत्रीय समीक्षा कार्यशाला में भागीदारी

दिनांक 19–20 जुलाई 2024 को निकरा परियोजना के अन्तर्गत ''क्षैत्रीय समीक्षा कार्यशाला'' का आयोजन आईसीएआर अटारी, जोधपुर पर हुआ । जिसमें केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी द्वारा वर्ष 2023–24 की वार्षिक प्रतिवेदन रिपोर्ट एवं वर्ष 2024–25 की कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण पावर पॉईंट के माध्यम से किया गया । इस दौरान चूरू जिले के लिए उपयुक्त जलवायु परिवर्तन समुत्थानशील तकनीकी जैसे सूखा सहनशील एवं कम पानी में लगने वाली फसलों की किस्मों, उनकी उपलब्धता, उपयोगिता एवं आंकलन तथा जलवायु समुत्थानशील पशुपालन गतिविधियों की सम्पूर्ण जानकारी वैज्ञानिकों के साथ सांझा की गई तथा आगामी वर्ष में सुझावों के अनुरूप किस्मों के चयन एवं उत्पादन वृद्वि हेतु नई तकनीक को अपनाने हेतु कियान्वयन की रूपरेखा के बारे में चर्चा की गई । इस कार्यशाला में राजस्थान एवं हरियाणा के 18 कृषि विज्ञान केन्द्रों ने जिले वार किये जा रहे तकनीकी प्रदर्शनों एवं कार्यक्रमों की जानकारी सांझा की ।

पोषाहार वाटिका प्रशिक्षण एवं प्रदर्शनों का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना (SCSP) एवं नारी (NARI) परियोजना अन्तर्गत पोषाहार वाटिका स्थापना विषय पर प्रशिक्षणों का आयोजन क्रमशः दिनांक 19–20 जुलाई 2024 को केवीके परिसर एवं दिनांक 26 जुलाई 2024 को ग्राम देवीपुरा, रतनगढ में किया गया । प्रशिक्षण के दौरान कृषक महिलाओं को पोषाहार वाटिका के महत्व एवं उन्नत किस्म के बीजों की जानकारी दी गई साथ ही क्यारी निर्माण विधि एवं

बीज बुवाई का प्रायोगिक कार्य करवाया गया । प्रशिक्षण के अन्तर्गत केन्द्र की गृह विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. रमन जोधा ने प्रत्येक घर सब्जी उत्पादन एवं उपलब्धता के उद्देश्य से पोषाहार वाटिका का संतुलित भोजन एवं पोषण में महत्व की विस्तृत जानकारी दी । प्रशिक्षण उपरान्त 100 कृषक महिलाओं को खरीफ सीजन में लगने वाले बीज (लौकी, तुरई, भिंडी, चंवला एवं फलदार पौधे) प्रदर्शन के रूप में उपलब्ध करवाये गये ।

मूंग की उन्नत खेती उत्पादन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण

निकरा परियोजना अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा मूंग की उत्पादन तकनीक विषय पर एक दिवसीय असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 19 जुलाई 2024 को ग्राम मीतासर तहसील सरदारशहर में किया गया । इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत केन्द्र के फसल उत्पादन विशेषज्ञ श्री हरीश कुमार रछौया ने मूंग की उन्नत किस्मों एवं मूंग की समन्वित उत्पादन तकनीक (भूमि व बीजोपचार, बीज दर, पौध अंतराल, खाद व उर्वरक प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन आदि) के बारे में जानकारी दी । इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत 25 प्रगतिशील किसानों व कृषक महिलाओं ने भाग लिया ।

केन्द्र पर बकरीपालकों का प्रशिक्षण सम्पन्न

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर चूरू द्वारा सरदारशहर, रतनगढ व सुजानगढ तहसील के 28 पशुपालकों को दिनांक 22.7.2024 से 26.7.2024 तक बकरी पालन का पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया । प्रशिक्षण संयोजक श्री श्याम बिहारी ने बकरियों की नस्ल, बकरियों की आवास व्यवस्था, पोषण व्यवस्था, बकरियों के लिए चारा फसल चक्र, बकरियों के बच्चों का रखरखाव, ग्याभिन बकरियों व प्रजनक बकरों के रखरखाव के बारे में जानकारी दी । विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा बकरियों के स्वास्थय संबंधी, पेट के कीडे व बाह्य परजीवी जैसे–जू, चींचड आदि की रोकथाम व इनसे होने वाले नुकसान के बारे में भी जानकारी दी गई । कार्यक्रम के दौरान बकरियों में होने वाले प्रमुख रोगों में फिडकिया, पॉक्स, निमोनिया, पी.पी.आर., दस्त, आफरा के लक्षण व रोकथाम के बारे में विस्तृत चर्चा की गई । नर बकरों का बधियाकरण व उससे होने वाले फायदों के बारे में पशुपालकों को अवगत कराया गया । प्रशिक्षण के समापन अवसर पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के. सैनी द्वारा केन्द्र की गतिविधियों से जुडने का आह्वान करते हुए सभी प्रशिक्षणार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान किये गये ।

केन्द्र पर सहकारी समिति व्यवस्थापकों हेतु प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र पर दिनांक 24.7.2024 को उपखंड स्तर की सहकारी समितियों के व्यवस्थापकों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन इफकों के द्वारा किया गया । इस अवसर पर केन्द्रीय सहकारी बैंक के एम डी श्री मदनलाल शर्मा एवं इफको उपमहाप्रबंधक श्री सोहनलाल सारण ने नैनो युरिया व नैनो डीएपी से फसलों को हो ने वाले फायदे के बारे में बताया । केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ वी के सैनी ने केन्द्र सरकार द्वारा

किसान हित में चलाई जा रही सभी योजनाओं की जानकारी दी । कार्यक्रम उपरान्त प्रशिक्षणार्थियों को कृषि विज्ञान केन्द्र की हरा चारा उत्पादन इकाई, केंचुआ उत्पादन इकाई एवं नर्सरी यूनिट पर भ्रमण करवाया गया ।

मासिक प्रतिवेदन कार्यशाला में प्रस्तुतीकरण

दिनांक 25.7.2024 को कृषि अनुसंधान केन्द्र बीछवाल, बीकानेर के सभागार में जोन–प्रथम सी (Ic) के कृषि विभाग, उद्यान विभाग, आत्मा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों की मासिक प्रतिवेदन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ(सस्य) श्री हरीश कुमार रछौया द्वारा केन्द्र के जुलाई माह में किये गये कार्यो (प्रशिक्षणों, प्रदर्शनों, प्रसार गतिविधियों) का पावर पाईंट के माध्यम से प्रस्तुतीकरण किया गया ।

कपास में खरपतवार प्रबंधन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा कपास की फसल में खरपतवार प्रबंधन तकनीक विषय पर एक दिवसीय असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 28 जुलाई 2024 को ग्राम भोजासर छोटा, तहसील भानीपुरा, सरदारशहर में किया गया जिसमें 25 कृषकों ने भाग लिया । इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत केन्द्र के फसल उत्पादन विषय विशेषज्ञ श्री हरीश कुमार रछौया ने कपास की फसल में होने वाले प्रमुख खरपतवार (मकडा, सावक, जंगली चौलाई, मोथा, हिरणखुरी इत्यादि) के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए समन्वित खरपतवार प्रबंधन तकनीकों (यांत्रिक, रासायनिक इत्यादि) को अपनाने हेतु बल दिया ।

रेडियो वार्ता कार्यक्रम

दिनांक 02.07.2024 को कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी. के. सैनी द्वारा ''हरा चारा उत्पादन नवाचार'' विषय पर, दिनांक 11.07.2024 को पौध सरंक्षण विशेषज्ञ श्री मुकेश शर्मा द्वारा ''प्राकृतिक खेती एवं महत्व'' विषय तथा दिनांक 18.07.2024 को विषय वस्तु विशेषज्ञ श्री हरीश कुमार रछौया द्वारा ''नैपियर घास उत्पादन'' विषय पर आकाशवाणी, चूरू से रेडियो वार्ता के द्वारा किसानों को सम्बोधित कर विस्तृत जानकारी दी गई।

बगीचा प्रदर्शन

ग्राम मीतासर एवं हुडेरा में बेर व बील बगीचे के 10 प्रदर्शन एक हैक्टेयर क्षेत्रफल में प्रगतिशील कृषकों के फार्म पर लगाये गये ।

पौधारोपण कार्यक्रम

केन्द्र के फार्म पर पौधारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत 150 नीम एवं करंज के पौधे लगाये गये तथा नर्सरी युनिट द्वारा किसानों को 800 फलदार एवं 2200 छायादार पौधे उपलब्ध करवाये गये ।

अगस्त माह में किये जाने वाले कृषि कार्य

- मूंग, मोठ एवं ग्वार की फसल में खरपतवार प्रबंधन हेतु किसान भाई निराई–गुडाई अवश्य करें तथा रस चूसने वाले कीडे, सफेद मक्खी, जेसिड, ऐफिड की रोकथाम हेतु थायोमिथोक्साम 0.5 ग्राम/लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करें ।
- मूंगफली की फसल में पीलिया रोग के प्रबंधन हेतु फैरस सल्फेट 5 ग्राम/लीटर एवं सीट्रिक ऐसिड 1 ग्राम/लीटर को मिलाकर छिडकाव करें । टीका रोग के प्रबेधन हेतु मेन्कोजेब 3 ग्राम/लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करें । दीमक व सफेद लट के प्रबेधन हेतु इमिडा क्लोरोप्रिड 17.8 SL 300 ml/हैक्टेयर सिंचाई के साथ देवें ।

संकलनकर्ता	संपादक	प्रकाशक
श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ) श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ) श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ) श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ)	डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान) Designed & typed by श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट	डॉ. वी. के. सैनी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर,चूरू–I